

THEME 10th

DISPLACING INDIGENOUS PEOPLES

मूल निवासियों का विस्थापन



THEME 10TH

DISPLACING INDIGENOUS PEOPLES

मूल निवासीयों का वस्थापन



THIS chapter recounts some aspects of the histories of the native peoples of America and Australia. Theme 8 described the history of the Spanish and Portuguese colonisation of South America.

इस अध्याय में अमरीका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के इतिहास के कुछ पहलू पेश किए गए हैं। विषय 8 में हमने दक्षिण अमरीका में स्पेनी और पुर्तगाली औपनिवेशीकरण के इतिहास की झाँकी देखी थी।

From the eighteenth century, more areas of South America, Central America, North America, South Africa, Australia and New Zealand came to be settled by immigrants from Europe. This led to many of the native peoples being pushed out into other areas. The European settlements were called 'colonies'.

18वीं सदी से दक्षिणी अमरीका के और भी हिस्सों में, तथा मध्य, उत्तरी अमरीका, दक्षिणी अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया तथा न्यूज़ीलैंड के इलाकों में यूरोप से आए आप्रवासी बसने लगे। इस प्रक्रिया ने वहाँ के बहुत से मूल निवासियों को दूसरे इलाकों में जाने पर मजबूर किया। यूरोपीय लोगों की ऐसी बस्तियों को 'कॉलोनी' (उपनिवेश) कहा जाता था।



In the nineteenth and twentieth centuries, people from Asian countries also migrated to some of these countries. Today, these Europeans and Asians form the majority in these countries, and the number of the native inhabitants are very small.

19वीं और 20वीं सदी में एशियाई देशों के लोग भी इनमें से कुछ देशों में आ बसे। आज य यूरोपीय और एशियाई लोग इन देशों में बहुसंख्यक हैं, और वहां के मूल निवासियों की संख्या कम रह गई है।





They are hardly seen in the towns, and people have forgotten that they once occupied much of the country, and that the names of many rivers, towns, etc. are derived from 'native' names (e.g. Ohio, Mississippi and Seattle in the USA, Saskatchewan in Canada, Wollongong and Parramatta in Australia).

वे शहरों में मुश्किल से ही नज़र आते हैं, और लोग भूल गए हैं कि कभी देश का अधिकतर हिस्सा उन्हीं के कब्ज़े में था, और यह भी कि कई नदियों, शहरों इत्यादि के नाम 'देसी' नामों से बने हैं ख़(मसलन, संयुक्त राज्य अमरीका में ओहियो (**Ohio**), मिसीसिपी (**Mississippi**) और सिएटल (**Seattle**) व कनाडा में सस्कातचेवान (**Saskatchewan**), ऑस्ट्रेलिया में वॉलान्गॉन्ग (**Wollongong**) और परामत्ता (**Parramatta**),।



Till the middle of the twentieth century, American and Australian history textbooks used to describe how Europeans ‘discovered’ the Americas and Australia. They hardly mentioned the native peoples except to suggest that they were hostile to Europeans.

बीसवीं सदी के मध्य तक अमरीका और ऑस्ट्रेलिया की इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में यह बताया जाता था कि किस तरह यूरोपवासियों ने उत्तरी और दक्षिणी अमरीका तथा ऑस्ट्रेलिया की ‘खोज’ की। उनमें यहां के मूल बाशिंदों का शायद ही कभी ज़िक्र होता था, सिवाय यह बताने के कि यूरोपीय लोगों के प्रति उनका रवैया शत्रुतापूर्ण था।

These peoples were, however, studied by anthropologists in America from the 1840s. Much later, from the 1960s, the native peoples were encouraged to write their own histories or to dictate them (this is called oral history).

पर 1840 के दशक से ही अमरीका में मानवविज्ञानियों ने उन पर अध्ययन आरंभ कर दिया था। बहुत बाद में, 1960 के दशक से, इन मूल निवासियों को अपने इतिहास को लिखने या बयान करने (मौखिक इतिहास) के लिए प्रेरित किया गया।



The American empires of Spain and Portugal (see Theme 8) did not expand after the seventeenth century. From that time other countries – France, Holland and England – began to extend their trading activities and to establish colonies – in America, Africa and Asia; Ireland also was virtually a colony of England, as the landowners there were mostly English settlers.

स्पेन और पुर्तगाल के अमरीकी साम्राज्य (देखिए, विषय 8) का सत्रहवीं सदी के बाद विस्तार नहीं हुआ। तब तक फ्रांस, हॉलैंड और इंग्लैंड जैसे दूसरे देशों ने अपनी व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार करना और अमरीका, अफ्रीका तथा एशिया में अपने उपनिवेश बसाना शुरू कर दिया; आयरलैंड भी कमोबेश इंग्लैंड का उपनिवेश ही था, क्योंकि वहां बसे हुए ज्यादातर भूस्वामी अंग्रेज़ ही थे।





From the eighteenth century, it became obvious that while it was the prospect of profit which drove people to establish colonies, there were significant variations in the nature of the control established.

अठारहवीं सदी से यह बहुत साफ़-साफ़ दिखने लगा कि यद्यपि मुनाफ़े की संभावना ने ही लोगों को यहां उपनिवेश बसाने के लिए प्रेरित किया था, लेकिन जो नियंत्रण स्थापित किया गया, उसकी 'प्रकृति' में महत्वपूर्ण विविधताएँ थीं।

In South Asia, trading companies like the East India Company made themselves into political powers, defeated local rulers and annexed their territories.

दक्षिण एशिया में व्यापारिक कंपनियों ने अपने को राजनीतिक सत्ता का रूप दिया, स्थानीय शासकों को हराया और अपने इलाके का विस्तार किया।



They retained the older well-developed administrative system and collected taxes from landowners. Later they built railways to make trade easier, excavated mines and established big plantations.

उन्होंने पुरानी सुविकसित प्रशासकीय व्यवस्था को जारी रखा और भूस्वामियों से कर वसूलते रहे। बाद में उन्होंने व्यापार को सुगम बनाने के लिए रेलवे का निर्माण किया, खदानें खुदवाईं और बड़े-बड़े बाग़ान स्थापित किए।





In Africa, Europeans traded on the coast, except in South Africa, and only in the late nineteenth century did they venture into the interior. After this, some of the European countries reached an agreement to divide up Africa as colonies for themselves.

दक्षिणी अफ़्रीका को छोड़ कर शेष पूरे अफ़्रीका में यूरोपीय लोग सर्वत्र समुद्र तटों पर ही व्यापार करते रहे। 19वीं सदी के आखिरी दौर में ही वे अंदरूनी इलाकों में जाने का साहस कर सके। इसके बाद कुछ यूरोपीय मुल्कों के बीच अपने उपनिवेशों के रूप में अफ़्रीका का बाँटवारा करने का समझौता हुआ।



The continent of North America extends from the Arctic Circle to the Tropic of Cancer, from the Pacific to the Atlantic Ocean. West of the chain of the Rocky Mountains is the desert of Arizona and Nevada, still further west the Sierra Nevada mountains, to the east the Great Plains, the Great Lakes, the valleys of the Mississippi and the Ohio and the Appalachian Mountains.

उत्तरी अमरीका का महाद्वीप उत्तरध्रुवीय वृत्त से लेकर कर्क रेखा तक और प्रशांत महासागर से अटलांटिक महासागर तक फैला है। पथरीले पहाड़ों की शृंखला के पश्चिम में अरिज़ोना और नेवाडा की मरुभूमि है। थोड़ा और पश्चिम में सिएरा नेवाडा पर्वत हैं। पूरब में ग्रेट (विस्तृत) मैदानी इलाके, ग्रेट (विस्तृत) झीलें, मिसीसिपी और ओहियो और अप्पलाचियां पर्वतों की घाटियां हैं।

To the south is Mexico. Forty per cent of Canada is covered with forests. Oil, gas and mineral resources are found in many areas, which explains the many big industries in the USA and Canada. Today, wheat, corn and fruit are grown extensively and fishing is a major industry in Canada.

दक्षिण दिशा में मेक्सिको है। कनाडा का 40 फीसदी इलाका जंगलों से ढका संयुक्त राज्य अमरीका और कनाडा में ढेरों बड़े उद्योग हैं। आजकल कनाडा में गेहूँ, मकई और फल बड़े पैमाने पर पैदा किए जाते हैं और मत्स्य-उद्योग वहाँ का एक महत्वपूर्ण उद्योग है।



THE NATIVE PEOPLES (मूल निवासी)

The earliest inhabitants of North America came from Asia over 30,000 years ago on a land-bridge across the Bering Straits, and during the last Ice Age 10,000 years ago they moved further south. The oldest artefact found in America – an arrow-point – is 11,000 years old. The population started to increase about 5,000 years ago when the climate became more stable.



उत्तरी अमरीका के सबसे पहले बाशिंदे 30,000 साल पहले बेरिंग स्ट्रेट्स के आरपार फैले भूमि-सेतु के रास्ते एशिया से आए, और 10,000 साल पहले आखिरी हिमयुग के दौरान वे और दक्षिण की तरफ बढ़ें। अमरीका में मिलनेवाली सबसे पुरानी मानव कृति- एक तीर की नोक - 11,000 साल पुरानी है। तक्करीबन 5000 साल पहले जब जलवायु में ज्यादा स्थिरता आई, तब आबादी बढ़नी शुरू हुई।

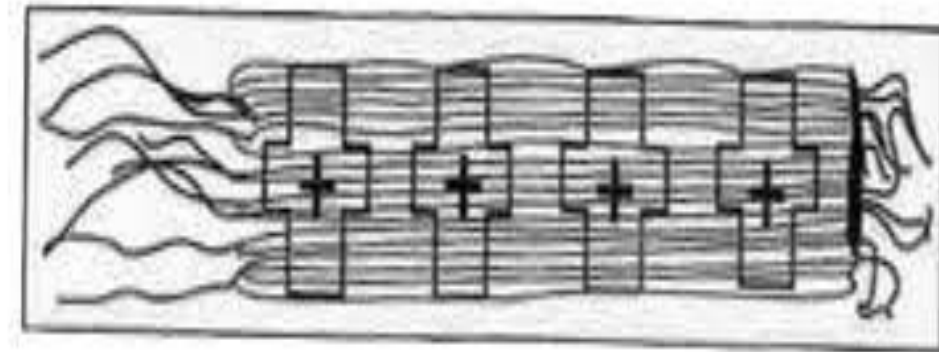
They did not attempt extensive agriculture and since they did not produce a surplus, they did not develop kingdoms and empires as in Central and South America. There were some instances of quarrels between tribes over territory, but by and large control of land was not an issue.

उन्होंने बड़े पैमाने पर खेती करने की कोई कोशिश नहीं की और चूंकि वे अपनी आवश्यकताओं से अधिक उत्पादन नहीं करते थे, इसलिए उन्होंने केन्द्रीय तथा दक्षिणी अमरीका की तरह राजशाही और साम्राज्य का विकास नहीं किया। इलाके को लेकर कबीलों के बीच झगड़े की कुछ मिसालें मिलती हैं, पर कुल मिलाकर ज़मीन पर नियंत्रण कोई मुद्दा नहीं था।



They were content with the food and shelter they got from the land without feeling any need to 'own' it. An important feature of their tradition was that of making formal alliances and friendships, and exchanging gifts. Goods were obtained not by buying them, but as gifts.

वे ज़मीन पर अपनी 'मिलिक्यत' की कोई ज़रूरत महसूस किए बग़ैर उससे मिलनेवाले भोजन और आश्रय से संतुष्ट थे। उनकी परंपरा की एक महत्वपूर्ण विशेषता थी, औपचारिक संबंध और दोस्तियाँ कायम करना तथा उपहारों का आदान-प्रदान करना। चीज़ें उन्हें ख़रीदने की बजाय उपहार के तौर पर हासिल होती थीं।



Wampum Belts



Numerous languages were spoken in North America, though these were not written down. They believed that time moved in cycles, and each tribe had accounts about their origins and their earlier history which were passed on from one generation to the next.

उत्तरी अमरीका में अनेक भाषाएँ बोली जाती थीं, हालांकि वे लिखी नहीं जाती थीं। उनका विश्वास था कि समय की गति चक्रीय है, और हर कबीले के पास अपनी उत्पत्ति और इतिहास के बारे में ब्यौरे थे जो पीढ़ो-दर-पीढ़ी चलते आ रहे थे।



They were skilled craftspeople and wove beautiful textiles. They could read the land – they could understand the climates and different landscapes in the way literate people read written texts.

वे कुशल कारीगर थे और खूबसूरत कपड़े बुनते थे। वे धरती को पढ़ सकते थे, जलवायु और विभिन्न भू-दृश्यों को वे उसी तरह समझ सकते थे, जैसे पढ़-लिखे लोग लिखी हुई चीजें पढ़ते हैं।

ENCOUNTERS WITH EUROPEANS (यूरोपियनों से

In the seventeenth century, the European traders who reached the north coast of North America after a difficult two-month voyage were relieved to find the native peoples friendly and welcoming.

सत्रहवीं सदी में दो महीने के कठिन समुद्री अभियान के बाद उत्तरी अमरीका के उत्तरी तट पर पहुँचे यूरोपीय व्यापारियों को यह देख कर सुकून मिला कि वहाँ के स्थानीय लोगों का व्यवहार दोस्ताना और गर्मजोशी-भरा है।



ENCOUNTERS WITH EUROPEANS (यूरोपियनों से मुकाबला)



Unlike the Spanish in South America, who were overcome by the abundance of gold in the country, these adventurers came to trade in fish and furs, in which they got the willing help of the natives who were expert at hunting.

दक्षिण अमरीका गए स्पेनियों के विपरीत, जो वहाँ की सोने की प्रचुरता से अभिभूत हो गए थे, ये लोग मछली और रोंएदार खाल के व्यापार के लिए आए थे, जिसमें उन्हें शिकार-कुशल देसी लोगों की ओर से अपेक्षित मदद मिली।

Further south, along the Mississippi river, the French found that the natives held regular gatherings to exchange handicrafts unique to a tribe or food items not available in other regions.

थोड़ा और दक्षिण में, मिसिसिपी के किनारे-किनारे, फ्रांसीसीयों ने पाया कि देसी लोग नियमित रूप से जमा होते थे। इसका मक़सद था, ऐसे हस्तशिल्पों का आदान-प्रदान करना जो किसी खास कबीले में ही बनते थे, या ऐसे खाद्य पदार्थों का आदान-प्रदान जो अन्य इलाक़ों में उपलब्ध नहीं थे।



In exchange for local products the Europeans gave the natives blankets, iron vessels (which they used sometimes in place of their clay pots), guns, which was a useful supplement for bows and arrows to kill animals, and alcohol.

स्थानीय उत्पादों के बदले में यूरोपीय लोग वहाँ के बाशिंदों को कंबल, लोहे के बर्तन (जिसे वे कभी-कभी अपने मिट्टी के पात्रों की जगह इस्तेमाल करते थे), बंदूकें (जो जानवरों को मारने में तीर-धुनष की अच्छी पूरक साबित हुईं) और शराब देते थे।





This last item was something the natives had not known earlier, and they became addicted to it, which suited the Europeans, because it enabled them to dictate terms of trade. (The Europeans acquired from the natives an addiction to tobacco.)

वहां के बाशिंदों का पहले शराब से परिचय नहीं था। वे जल्दी ही इसकी आदत के शिकार हो गए, जो कि यूरोपीय लोगों के लिए अच्छा साबित हुआ, क्योंकि इसने उन्हें व्यापार के लिए अपनी शतें थोपने में सक्षम बनाया। (यूरोपीय लोगों ने उन मूल निवासियों से तंबाकू की आदत ग्रहण की।)

MUTUAL PERCEPTIONS पारस्परिक धारणाएँ

In the eighteenth century, western Europeans defined 'civilised' people in terms of literacy, an organised religion and urbanism. To them, the natives of America appeared 'uncivilised'. To some, like the French philosopher Jean-Jacques Rousseau, such people were to be admired, as they were untouched by the corruptions of 'civilisation'.

अठारहवीं सदी में पश्चिमी यूरोप के लोग 'सभ्य' मनुष्य की पहचान साक्षरता, संगठित धर्म और शहरीपन के आधार पर ही करते थे। उन्हें अमरीका के मूल निवासी 'असभ्य' प्रतीत हुए। फ्रांसीसी दर्शनशास्त्री ज्यां जैक रूसो जैसे कुछ यूरोपीयों के लिए ऐसे लोग तारीफ़ के काबिल थे, क्योंकि वे 'सभ्यता' की विकृतियों से अछूते थे। इसके लिए एक प्रचलित पद था, 'उदात्त उत्तम जंगली' (The noble savage)।



A popular term was 'the noble savage'. Some lines in a poem by the English poet William Wordsworth indicate another perspective. Neither he nor Rousseau had met a native American, but Wordsworth described them as living 'amid wilds/Where fancy hath small liberty to grace/The affections, to exalt them or refine', meaning that people living close to nature had only limited powers of imagination and emotion!

एक दूसरा नज़रिया अंग्रेज़ी के कवि विलियम वर्ड्सवर्थ की कुछ पंक्तियों में मिलता है। वर्ड्सवर्थ और रूसो में से कोई भी किसी अमरीकी मूल निवासी से नहीं मिला था, लेकिन वर्ड्सवर्थ ने उनका वर्णन करते हुए कहा कि वे “जंगलों में” रहते हैं, “जहाँ कल्पनाशक्ति के पास उन्हें भावसंपन्न करने, उन्हें ऊँचा उठाने या परिष्कृत करने के अवसर बहुत कम हैं”, जिसका मतलब यह कि प्रकृति के निकट रहनेवालों की कल्पनाशक्ति और भावना अत्यंत सीमित होती है !



To the natives, the goods they exchanged with the Europeans were gifts, given in friendship. For the Europeans, dreaming of becoming rich, the fish and furs were commodities, which they would sell for a profit in Europe.

मूल बाशिंदे यूरोपीय लोगों के साथ जिन चीज़ों का आदान-प्रदान करते थे, वे उनके लिए दोस्ती में दिए गए 'उपहार' थे। दूसरी ओर अमीरी का सपना देखने वाले यूरोपीय लोगों के लिए मछली और रोएँदार खाल 'माल' थे, जिसे उन्हें मुनाफ़ा कमाने के लिए यूरोप में बेचना था।





The prices of the goods they sold varied from year to year, depending on the supply. The natives could not understand this – they had no sense of the ‘market’ in faraway Europe.

इन बेची जानेवाली चीज़ों के दाम, पूर्ति के आधार पर, साल-दर-साल बदलते रहते थे। मूल निवासी इसे समझ नहीं सकते थे – उन्हें सुदूर यूरोप में स्थित ‘बाज़ार’ का ज़रा भी बोध नहीं था।



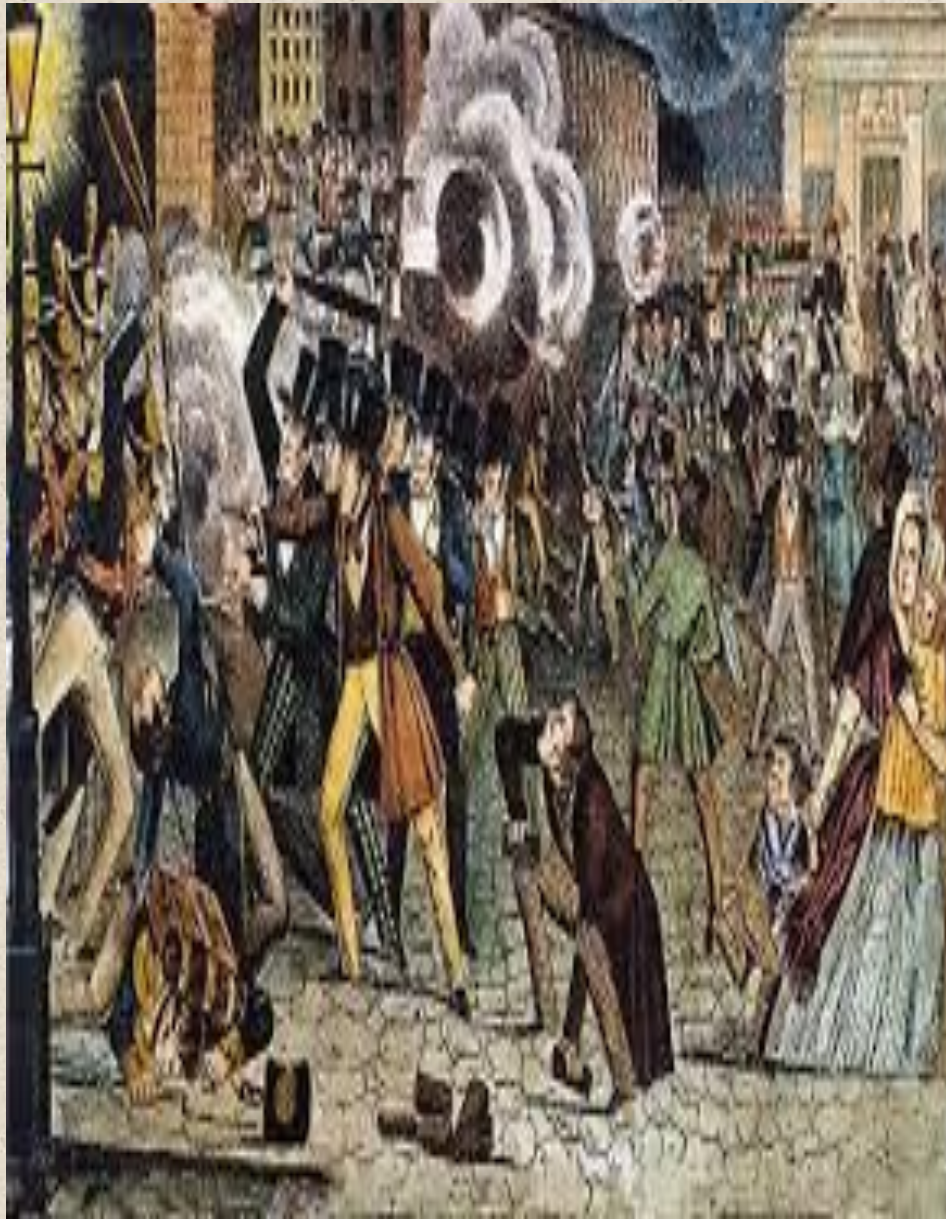
They were puzzled by the fact that the European traders sometimes gave them a lot of things in exchange for their goods, sometimes very little. They were also saddened by the greed of the Europeans*.

उनके लिए तो यह सब पहेली की तरह था कि यूरोपीय व्यापारी उनकी चीज़ों के बदले में कभी तो बहुत सारा सामान देते थे और कभी बहुत कम। वे यूरोपीय लोगों के लालच को देख कर भी दुखी होते थे।*



In their impatience to get furs, they had slaughtered hundreds of beavers, and the natives were very uneasy, fearing that the animals would take revenge on them for this destruction.

प्रचुर मात्रा में रोएँदार खाल हासिल करने के लिए उन्होंने सैकड़ों ऊदबिलावों को हलाल किया था, और मूल बाशिंदे इससे काफ़ी विचलित थे। उन्हें डर था कि जानवर उनसे इस विध्वंस का बदला लेंगे।



Following the first Europeans, who were traders, were those who came to 'settle' in America. From the seventeenth century, there were groups of Europeans who were being persecuted because they were of a different sect of Christianity (Protestants living in predominantly Catholic countries, or Catholics in countries where Protestantism was the official religion).

शुरुआत में आए यूरोपीय लोगों, जो कि व्यापारी थे, के पीछे-पीछे अमरीका में 'बसने' के लिए भी लोग आए। 17वीं सदी से यूरोपीय लोगों के कुछ समूह ईसाइयत के भिन्न संप्रदाय से ताल्लुक रखने की वजह से उत्पीड़न के शिकार थे (कैथलिक प्रभुत्व के देशों में रहनेवाले प्रोटेस्टेंट, या प्रोटेस्टेंटवाद को राजधर्म का दर्जा देनेवाले देशों के कैथलिक)।



Many of them left Europe and went to America to begin a new life. As long as there was vacant land, this was not a problem, but gradually the Europeans moved further inland, near native villages. They used their iron tools to cut down forests to lay out farms.

उनमें से बहुतेरों ने यूरोप छोड दिया और एक नयो ज़िंदगी शुरू करने के लिए अमरीका चले गए। जब तक वहां खाली ज़मीनें थीं, कोई समस्या नहीं आई, लेकिन धीरे-धीरे वे और अंदर, मूल निवासियों के गाँवों की ओर बढ़े । उन्होंने जंगलों की सफ़ाई के लिए अपने लोहे के औज़ारों का इस्तेमाल किया, ताकि खेती की जा सके।

Natives and Europeans saw different things when they looked at forests – natives identified tracks invisible to the Europeans. Europeans imagined the forests cut down and replaced by cornfields. Jefferson's 'dream' was a country populated by Europeans with small farms.

मूल निवासी और यूरोपीय लोग जब जंगल को देखते, तो उनकी निगाह में अलग-अलग चीज़ें आती थीं – मूल निवासियों ने उन रास्तों की पहचान की, जो यूरोपीय लोगों के लिए अदृश्य थे। यूरोपीय लोगों की कल्पना में कटे हुए जंगल की जगह मक्के के खेत उभरते थे। जैफ़र्सन का सपना एक ऐसे देश का था जो छोटे-छोटे खेतों वाले यूरोपीय लोगों से आबाद था।



The natives, who grew crops for their own needs, not for sale and profit, and thought it wrong to 'own' the land, could not understand this. In Jefferson's view, this made them 'uncivilised'.

मूल निवासी – जो अपनी ज़रूरतों के लिए फ़सलें उगाते, न कि बिक्री और मुनाफ़े के लिए, और जो ज़मीन का 'मालिक' बनने को ग़लत मानते थे – इस बात को नहीं समझ सकते थे। यही चीज़ उन्हें जैफ़र्सन की निगाह में 'असभ्य' बनाती थी।





जिन मुल्कों को हम कनाडा और संयुक्त राज्य अमरीका के नाम से जानते हैं, वे 18वीं सदी के अंत में वजूद में आए। अपने वर्तमान क्षेत्रफल का एक छोटा हिस्सा ही उस समय उनके कब्जे में था। मौजूदा आकार तक पहुँचने के लिए अगले सौ सालों में उन्होंने अपने नियंत्रण वाले इलाके में काफ़ी इज़ाफ़ा किया।

The countries that are known as Canada and the United States of America came into existence at the end of the eighteenth century. At that time they occupied only a fraction of the land they now cover. Over the next hundred years they extended their control over more territory, to reach their present size.

Large areas were acquired by the USA by purchase – they bought land in the south from France (the ‘Louisiana Purchase’) and from Russia (Alaska), and by war – much of southern USA was won from Mexico.

संयुक्त राज्य अमरीका ने कई विशाल क्षेत्रों की खरीद की – उन्होंने दक्षिण में फ्रांस (लुइसियाना परचेज़) और रूस (अलास्का) से ज़मीन खरीदी, साथ ही, उसने युद्ध में भी ज़मीन जीती— दक्षिणी सं.रा.अ. का अधिकतर हिस्सा मेक्सिको से ही जीता गया है।



It did not occur to anyone that the consent of natives living in these areas should have been asked. The western ‘frontier’ of the USA was a shifting one, and as it moved, the natives also were forced to move back.

किसी के मन में यह खयाल नहीं आया कि उन इलाकों में रहने वाले मूल बाशिंदों की भी रज़ामंदी ली जाए। संयुक्त राज्य अमरीका की पश्चिमी ‘सरहद’ (फ्रंटियर) खिसकती रहती थी, और जैसे-जैसे यह खिसकती जाती, मूल निवासी भी पीछे खिसकने के लिए बाध्य किए जाते थे।

The landscapes of America changed drastically in the nineteenth century. The Europeans treated the land differently from the natives.

19वीं सदी में अमरीका के भूदृश्य में ज़बरदस्त बदलाव आए। ज़मीन के प्रति यूरोपीय लोगों का रवैया मूल निवासियों से अलग था।



Some of the migrants from Britain and France were younger sons who would not inherit their fathers' property and therefore were eager to own land in America.

ब्रिटेन और फ्रांस से आए कुछ प्रवासी ऐसे थे, जो छोटे बेटे होने के कारण पिता की संपत्ति के उत्तराधिकारी नहीं बन सकते थे और इसी वजह से अमरीका में ज़मीन के मालिक बनना चाहते थे।





Later, there were waves of immigrants from countries like Germany, Sweden and Italy who had lost their lands to big farmers, and wanted farms they could own.

बाद में जर्मनी, स्वीडन और इटली जैसे मुल्कों से ऐसे आप्रवासी उमड पड़े, जिनकी ज़मीनें बड़े किसानों के हाथ चली गई थीं और वे ऐसी ज़मीन चाहते थे, जिसे अपना कह सकें।

People from Poland were happy to work in the prairie grasslands, which reminded them of the steppes of their homes, and were excited at being able to buy huge properties at very low prices.

पोलैंड से आए लोगों को प्रेयरी (**prairie**) चारागाहों में काम करना अच्छा लगता था, जो उन्हें अपने घरों के स्टेपीज़ (घास के मैदानों) की याद दिलाते थे, और यहां बहुत कम कीमत पर बड़ी संपत्तियां खरीद पाना उन्हें बहुत रास आ रहा था।



They cleared land and developed agriculture, introducing crops (rice and cotton) which could not grow in Europe and therefore could be sold there for profit.

उन्होंने ज़मीन की सफ़ाई की और खेती का विकास किया। उन्होंने ऐसी फ़सलें (धान और कपास) उगाई, जो यूरोप में नहीं उगाई जा सकती थीं और इसीलिए वहां उन्हें ऊँचे मुनाफ़े पर बेचा जा सकता था।





To protect their huge farms from wild animals – wolves and mountain lions – these were hunted to extinction. They felt totally secure only with the invention of barbed wire in 1873.

अपने विस्तृत खेतों को जंगली जानवरों – भेड़िए और पहाड़ी शेरों – से बचाने के लिए उन्होंने शिकार के ज़रिए उनका सफ़ाया ही कर दिया। 1873 में कँटीले तारों की खोज के बाद ही वे अपने को पूरी तरह सुरक्षित महसूस कर पाए।

The climate of the southern region was too hot for Europeans to work outdoors, and the experience of South American colonies had shown that the natives who had been enslaved had died in large numbers. Plantation owners therefore bought slaves in Africa

घर के बाहर काम करने के लिहाज़ से दक्षिणी इलाके की जलवायु, यूरोपीय जनों के लिए काफ़ी गर्म थी, और दक्षिण अमरीकी उपनिवेशों का यह अनुभव रहा था कि दास बनाए गए मूल निवासी बहुत बड़ी संख्या में मौत के शिकार हुए थे। इसीलिए बाग़ान-मालिकों ने अफ़्रीका से दास ख़रीदे।





Protests by anti-slavery groups led to a ban on slave trade, but the Africans who were in the USA remained slaves, as did their children.

दासप्रथा-विरोधी समूहों के विरोध के चलते दासों के व्यापार पर तो रोक लग गई, लेकिन जो अफ्रीकी संयुक्त राज्य अमरीका में थे, वे और उनके बच्चे दास ही बने रहे।

The Canadian government had a problem which was not to be solved for a long time, and which seemed more urgent than the question of the natives – in 1763 Canada had been won by the British after a war with France.

कनाडाई सरकार के सामने एक समस्या थी, जो लंबे समय तक हल नहीं हो पाई थी, और जो मूल निवासियों के सवाल के मुकाबले ज़्यादा ज़रूरी प्रतीत होती थी – 1763 में ब्रिटिश लोगों ने फ्रांस के साथ हुई लड़ाई में कनाडा को जीता था।





The French settlers repeatedly demanded autonomous political status. It was only in 1867 that this problem was solved by organising canada as a Confederation of autonomous states.

वहाँ फ्रांसीसी आबादकार लगातार स्वायत्त राजनीतिक दर्जे की मांग कर रहे थे। 1867 में कनाडा को स्वायत्त राज्यों के एक महासंघ के रूप में संगठित करके ही इस समस्या का हल निकल पाया।

THE NATIVE PEOPLES LOSE THEIR LAND

(अपनी ज़मीन से मूल बाशिंदों की बेदखली)

In the USA, as settlement expanded, the natives were induced or forced to move, after signing treaties selling their land.

जैसे-जैसे संयुक्त राज्य अमरीका ने अपनी बस्तियों का विस्तार किया, ज़मीन की बिक्री के समझौते पर दस्तख़त कराने के बाद मूल निवासियों को वहां से हटने के लिए प्रेरित या बाध्य किया गया।



The prices paid were very low, and there were instances when the Americans (a term used to mean the European people of the USA) cheated them by taking more land or paying less than promised.

उन्हें दी गई कीमतें बहुत कम थीं, और इसके भी उदाहरण मिलते हैं कि अमरीकियों (संयुक्त राज्य अमरीका में रहनेवाले यूरोपीय लोगों के लिए प्रयुक्त पद) ने धोखे से उनसे ज़्यादा ज़मीन ले ली या पैसा देने के मामले में वायदाखिलाफ़ी की।



A Woman chained to a Girl, and a Man in irons at work in the field.

Even high officials saw nothing wrong in depriving the native peoples of their land. This is seen by an episode in Georgia, a state in the USA. Officials had argued that the Cherokee tribe was governed by state laws, but could not enjoy the rights of citizens.

उच्च अधिकारी भी मूल बाशिंदों की बेदखली को ग़लत नहीं मानते थे। यह जॉर्जिया के एक प्रकरण में देखा जा सकता है। जॉर्जिया संयुक्त राज्य अमरीका का एक राज्य है। यहाँ के अधिकारियों की दलील थी कि चिरोकी कबीला राज्य के कानून से शासित तो होता है, लेकिन वे नागरिक अधिकारों का उपयोग नहीं कर सकते।





(This was despite the fact that, of all the native peoples, the Cherokees were the ones who had made the most effort to learn English and to understand the American way of life; even so they were not allowed the rights of citizens.)

(ध्यान देने की बात है कि मूल निवासियों में से चिरोकी ही ऐसे थे, जिन्होंने अंग्रेज़ी सीखने और अमरीकी जीवन-शैली को समझने की सबसे ज़्यादा कोशिश की थी, और तब भी उन्हें नागरिक अधिकार नहीं दिए गए।)



Those who took the land occupied by the tribes justified it by saying the natives did not deserve to occupy land which they did not use to the maximum.

जिन लोगों ने पहले से रहनेवाले कबीलों की ज़मीनें ले लीं, वे इस आधार पर अपने को उचित ठहराते थे कि चूंकि मूल निवासी ज़मीन का अधिकतम इस्तेमाल करना नहीं जानते, इसलिए वह उनके कब्ज़े में रहनी ही नहीं चाहिए।



They went on to criticise them for being lazy, since they did not use their crafts skills to produce goods for the market, for not being interested in learning English or dressing ‘correctly’ (which meant like the Europeans).

वे इस बिना पर भी मूल निवासियों की आलोचना करते कि वे आलसी हैं— इसलिए बाज़ार हेतु उत्पादन करने में अपने शिल्प-कौशल का इस्तेमाल नहीं करते हैं, अंग्रेज़ी सीखने और ‘ढंग के’ कपड़े (जिसका मतलब था, यूरोपीयों जैसे कपड़े) पहनने में उनकी दिलचस्पी नहीं है।

They deserved to 'die out', they argued. The prairies were cleared for farmland, and wild bison killed off. 'Primitive man will disappear with the primitive animal' wrote a visiting Frenchman.

कुल मिलाकर उनका कहना यह था कि वे 'मर-खपने' लायक ही हैं। खेती की ज़मीन निकालने के लिए प्रेयरीज़ साफ़ की गईं, और जंगली भैंसों को मारा गया। एक फ्रांसीसी आगंतुक ने लिखा, "आदिम जानवरों के साथ-साथ आदिम मनुष्य लुप्त हो जाएगा"।



Meanwhile, the natives were pushed westward, given land elsewhere ('theirs in perpetuity') but often moved again if any mineral – lead or gold – or oil was found on their lands. Many tribes were forced to share the land originally occupied by one tribe, thus leading to quarrels between them



इस बीच मूल निवासी पश्चिम की ओर धकेल दिए गए थे। उन्हें 'स्थायी तौर पर अपनी' ज़मीन दे दी गई थी, लेकिन अक्सर उन्हें उस जगह से भी बेदखल होना पड़ता, जब उनकी ज़मीन के अंदर सीसा, सोना या तेल जैसे खनिज के होने का पता चलता। प्रायः कई समूहों को मूलतः किसी एक के कब्जे वाली ज़मीन में ही साझा करने के लिए बाध्य किया जाता, जिससे उनके बीच झगड़े हो जाते थे।





They were locked off in small areas called 'reservations', which often was land with which they had no earlier connection. They did not give in without a fight.

मूल निवासी छोटे इलाकों में कैद कर दिए गए थे, जिन्हें 'रिज़र्वेशन्स' (आरक्षण) कहा जाता था। य प्रायः ऐसी ज़मीन होती थी, जिसके साथ उनका पहले से कोई रिश्ता नहीं होता था। ऐसा नहीं है कि अपनी ज़मीनें उन्होंने बिना लड़े छोड़ दी हों।

The US army crushed a series of rebellions from 1865 to 1890, and in Canada there were armed revolts by the Metis (people of native European descent) between 1869 and 1885. But after that they gave up.

संयुक्त राज्य की फ़ौज ने 1865 से 1890 के बीच विद्रोहों की एक पूरी शृंखला का दमन किया था। कनाडा में 1869 से 1885 के बीच मेटिसों (यूरोपीय मूल निवासियों के वंशज) के सशस्त्र विद्रोह हुए थे। लेकिन इन लड़ाइयों के बाद उन्होंने हार मान ली।



THE GOLD RUSH AND THE GROWTH OF INDUSTRIES

(गोल्ड रश और उद्योगों की वृद्धि)

There was always the hope that there was gold in North America. In the 1840s, traces of gold were found in the USA, in California. This led to the 'Gold Rush',

यह उम्मीद हमेशा से की जाती थी कि उत्तरी अमरीका में धरती के नीचे सोना है। 1840 में संयुक्त राज्य अमरीका के कैलीफ़ोर्निया में सोने के कुछ चिह्न मिले। इसने 'गोल्ड रश' को जन्म दिया।





Library of Congress
"California Gold Diggers: A scene from actual life in the mines," a wood engraving in Balleu's
Pictorial Drawing-Room Companion, May 3, 1856.

When thousands of eager Europeans hurried to America in the hope of making a quick fortune. This led to the building of railway lines across the continent, for which thousands of Chinese workers were recruited.

यह उस आपाधापी का नाम है, जिसमें हजारों की संख्या में आतुर यूरोपीय लोग चुटकियों में अपनी तकदीर सँवार लेने की उम्मीद में अमरीका पहुँचे। इसके चलते पूरे महाद्वीप में रेलवे-लाइनों का निर्माण हुआ जिसके लिए हजारों चीनी श्रमिकों की नियुक्ति हुई।

The USA's railway was completed by 1870, that of Canada by 1885. 'The old nations creep on at a snail's pace' said Andrew Carnegie, a poor immigrant from Scotland who became one of the first millionaire industrialists in the USA, 'the Republic thunders on at the speed of an express'.



संयुक्त राज्य अमरीका रेलवे का काम 1870 में पूरा हुआ और कनाडा की रेलवे का 1885 में। एंड्रयु कार्नेगी ने, जो स्कॉटलैंड से आया हुआ एक गरीब आप्रवासी और सं.रा.अ. के पहले करोड़पति उद्योग-स्वामियों में से एक मूल निवासियों का विस्थापन विश्व इतिहास के कुछ विषय था, कहा – “पुराने राष्ट्र घोंघे की चाल से सरकते हैं, नया गणराज्य किसी एक्सप्रेस की गति से दौड़ रहा है।”



One reason why the Industrial Revolution happened in England when it did was because small peasants were losing their land to big farmers, and moving to jobs in factories.

इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के एक खास समय में होने के पीछे एक कारण यह भी था कि छोटे खेतिहर बड़े किसानों के हाथों अपनी ज़मीन से वंचित होकर कारखानों की नौकरी की ओर मुड़ रहे थे

In North America, industries developed for very different reasons – to manufacture railway equipment so that rapid transport could link distant places, and to produce machinery which would make large-scale farming easier.

उत्तरी अमरीका में उद्योग कई अलग तरह के कारणों से विकसित हुए – रेलवे के साज़-सामान बनाने के लिए ताकि दूर-दूर की जगहों को तीव्र परिवहन के द्वारा जोड़ा जा सके, और ऐसे यंत्रों का उत्पादन करने के लिए जिनसे बड़े पैमाने की खेती को आसान बनाया जा सके।



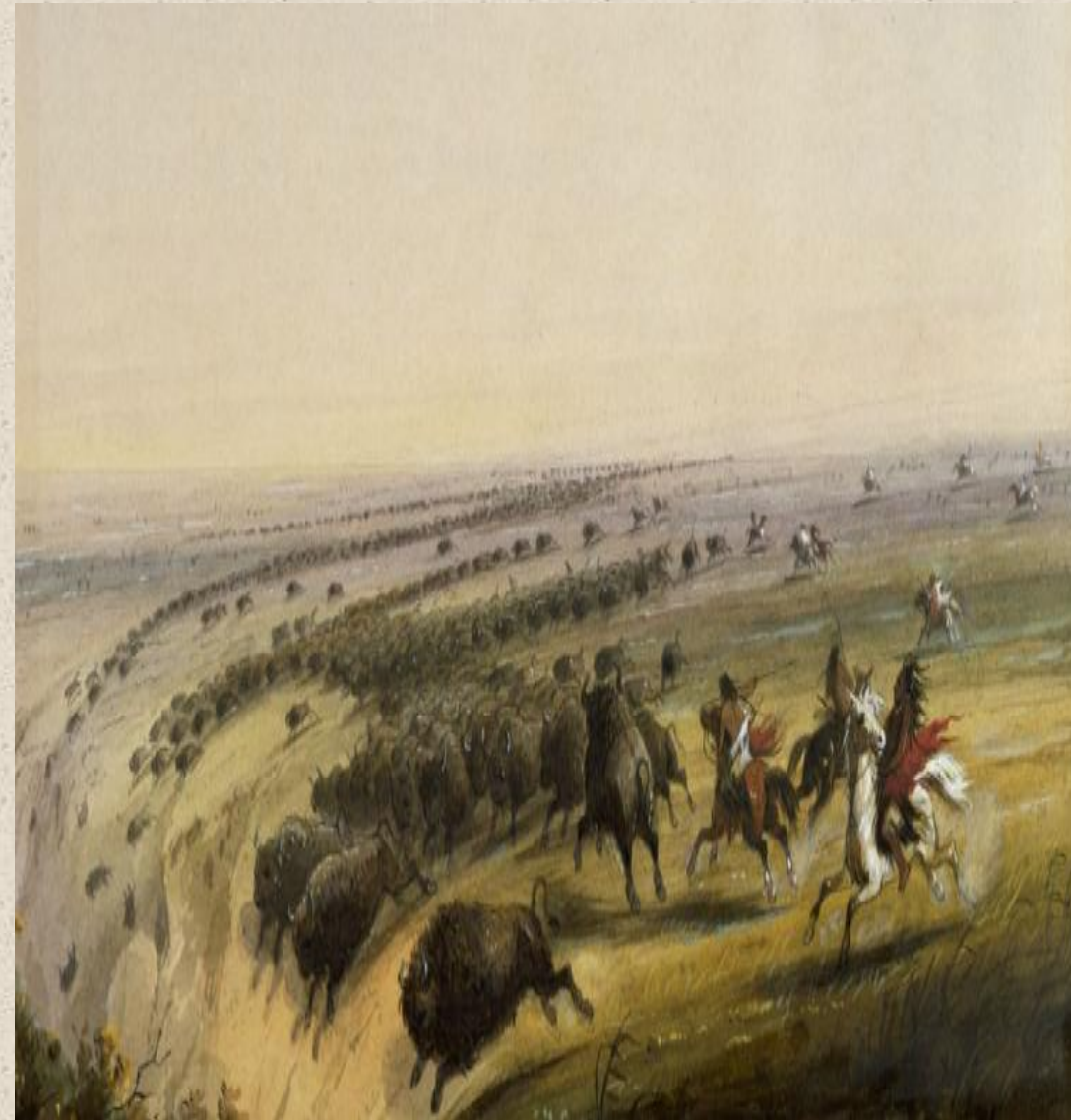
Industrial towns grew and factories multiplied, both in the USA and Canada. In 1860, the USA had been an undeveloped economy. In 1890, it was the leading industrial power in the world.



सं.रा.अ. और कनाडा, दोनों जगहों पर औद्योगिक नगरों का विकास हुआ, और कारखानों की संख्या तेज़ी से बढ़ी। 1860 में सं.रा.अ. का अर्थतंत्र अविकसित अवस्था में था। 1890 में वह दुनिया की अग्रणी औद्योगिक शक्ति बन चुका था।

Large-scale agriculture also expanded. Vast areas were cleared and divided up into farms. By 1890, the bison had almost been exterminated, thus ending the life of hunting the natives had followed for centuries.

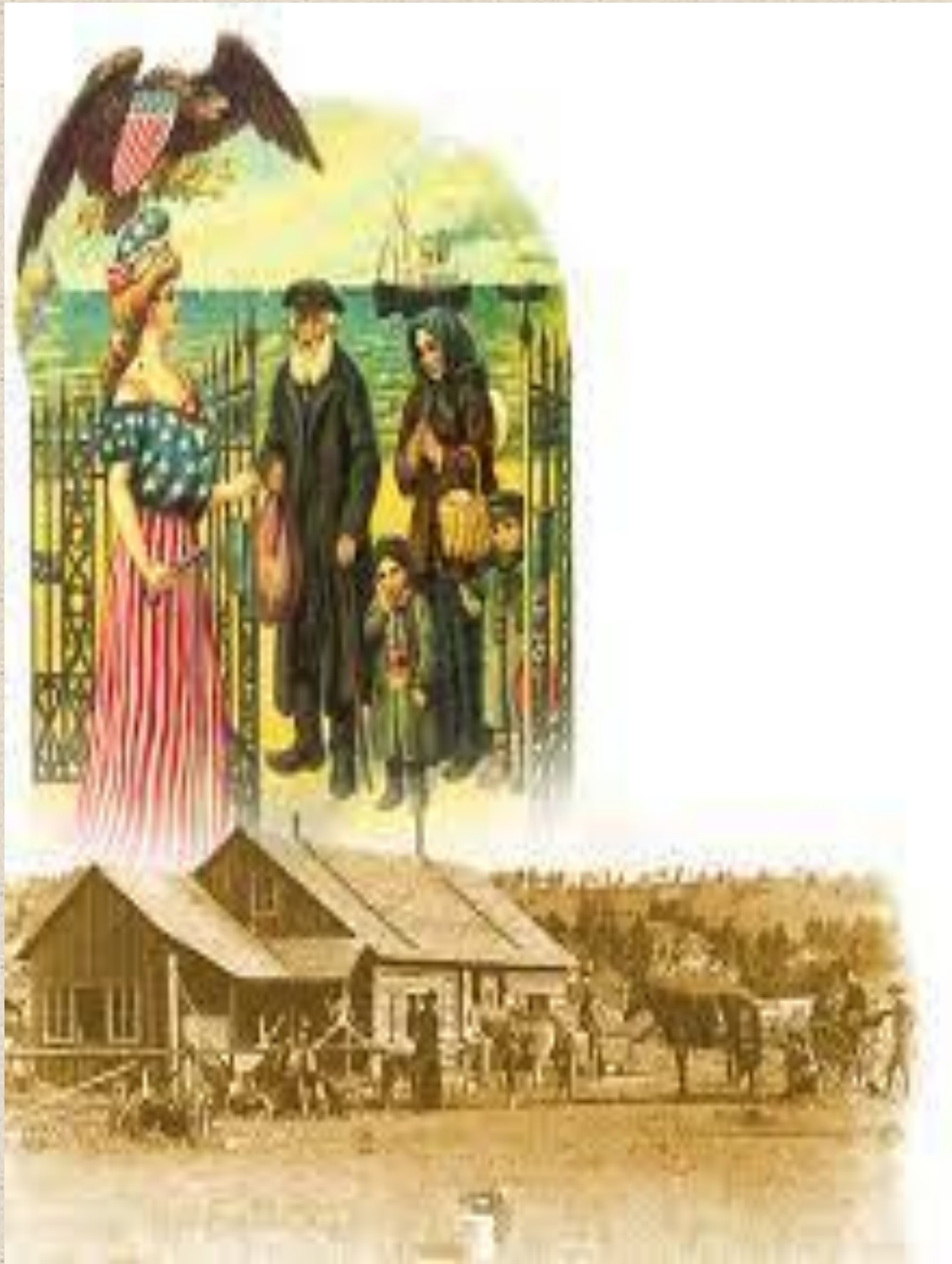
बड़े पैमाने की खेती का भी विस्तार हुआ। बड़े-बड़े इलाके साफ़ किए गए और खेतों के रूप में उनके टुकड़े किए गए। 1890 तक आते-आते जंगली भैंसों का लगभग पूरी तरह उन्मूलन किया जा चुका था, और इस तरह शिकार वाली वह जीवनचर्या भी समाप्त हुई, जिसे मूल बाशिंदे सदियों से जीते आ रहे थे।





In 1892, the USA's continental expansion was complete. The area between the Pacific and Atlantic Oceans was divided up into states.

1892 में संयुक्त राज्य अमरीका का महाद्वीपीय विस्तार पूरा हो चुका था। प्रशांत महासागर और अटलांटिक महासागर के बीच का क्षेत्र राज्यों में विभाजित किया जा चुका था।



There no longer remained the 'frontier' that had pulled European settlers west for many decades. Within a few years the USA was setting up its own colonies – in Hawaii and the Philippines. It had become an imperial power.

अब कोई 'फ्रंटियर' नहीं रहा, जो कई दशकों तक यूरोपीय आबादकारों को पश्चिम की ओर खींचता रहा था। कुछ ही वर्षों के भीतर संयुक्त राज्य अमरीका हवाई और फिलिपीन्स में अपने उपनिवेश बसा रहा था। वह एक साम्राज्यवादी शक्ति बन चुका था।

CONSTITUTIONAL RIGHTS (संवैधानिक अधिकार)

The ‘democratic spirit’ which had been the rallying cry of the settlers in their fight for independence in the 1770s, came to define the identity of the USA against the monarchies and aristocracies of the Old World. Also important to them was that their constitution included the individual’s ‘right to property’, which the state could not override.



आबादकारों ने 1770 के दशक में आज़ादी के अपने संघर्ष में ‘लोकतांत्रिक भावना’ के जिस नारे के तहत एकजुटता बनाई थी, वही पुरानी दुनिया की राजशाही और अभिजात तंत्र के खिलाफ़ संयुक्त राज्य अमरीका की पहचान बनी। उनके लिए यह भी अहम था कि उनके संविधान में व्यक्ति के ‘संपत्ति के अधिकार’ को शामिल किया गया, जिसे रद्द करने की छूट राज्य को नहीं थी।



But both democratic rights (the right to vote for representatives to Congress and for the President) and the right to property were only for white men

लेकिन लोकतांत्रिक अधिकार (राष्ट्रपति और कांग्रेस के प्रतिनिधियों के चुनाव में वोट देने का अधिकार) और संपत्ति का अधिकार, दोनों सिर्फ गोरे लोगों के लिए थे।

Daniel Paul, a Canadian native, pointed out in 2000 that Thomas Paine, the champion of democracy at the time of the War for American Independence and the French Revolution, 'used the Indians as models of how society might be organized'.



Thomas Paine



Daniel Paul

एक कनाडाई मूल निवासी, डेनियल पॉल ने 2000 में इस ओर ध्यान खींचा कि अमरीकी स्वाधीनता संग्राम और फ्रांसीसी क्रांति के समय लोकतंत्र के पक्ष में आवाज़ बुलंद करने वाले थॉमस पाइन ने “समाज का संगठन करने के लिए इंडियन्स का इस्तेमाल एक मॉडल के तौर पर किया था।”

THE WINDS OF CHANGE... (बदलाव की लहर...)

Not till the 1920s did things begin to improve for the native peoples of the USA and Canada.

1920 के दशक तक संयुक्त राज्य अमरीका और कनाडा के मूल निवासियों के लिए कुछ भी बेहतर होना शुरू नहीं हुआ।



The Problem of Indian Administration, a survey directed by social scientist Lewis Meriam and published in 1928, only a few years before the USA was swept by a major economic depression that affected all its people, painted a grim picture of the terribly poor health and education facilities for natives in reservations.



संयुक्त राज्य अमरीका की समस्त जनता को प्रभावित करनेवाली बड़ी आर्थिक मंदी से कुछ साल पहले, 1928 में समाजवैज्ञानिक लेवाइस मेरिअम के निर्देशन में संपन्न हुआ एक सर्वेक्षण प्रकाशित हुआ – दि प्रॉब्लम ऑफ़ इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन – जिसमें रिज़र्वेशन्स में रह रहे मूल निवासियों की स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं की दरिद्रता का बड़ा ही दारुण चित्र प्रस्तुत किया गया था।

White Americans felt sympathy for the natives who were being discouraged from the full exercise of their cultures and simultaneously denied the benefits of citizenship.

गोरे अमरीकियों के मन में उन मूल निवासियों के प्रति सहानुभूति जागी, जिन्हें अपनी संस्कृति को पूरा-पूरा निभाने से रोका जाता था और साथ-ही-साथ नागरिकता के लाभों से भी वंचित रखा जाता था।



This led to a landmark law in the USA, the Indian Reorganisation Act of 1934, which gave natives in reservations the right to buy land and take loans.

इसने संयुक्त राज्य अमरीका में एक यगांतरकारी कानून को जन्म दिया - 1934 का इंडियन रीऑर्गनाइज़ेशन एक्ट - जिसके द्वारा रिज़र्वेशन में मूल निवासियों को ज़मीन खरीदने और ऋण लेने का अधिकार हासिल हुआ।

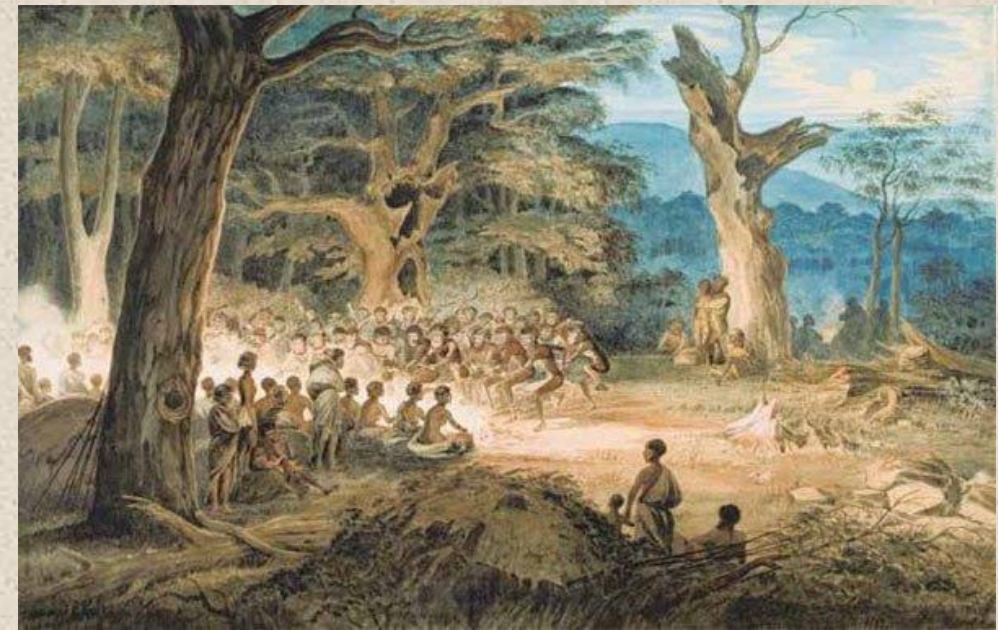


As in the Americas, human habitation in Australia has a long history. The ‘aborigines’ (a general name given to a number of different societies) began to arrive on the continent over 40,000 years ago (possibly even earlier).

उत्तरी और दक्षिण अमरीका की तरह ही ऑस्ट्रेलिया में भी मानव निवास का इतिहास लंबा है। शुरुआती मनुष्य या आदिमानव जिन्हें ‘एबॉरिजिनीज़’ कहते हैं (यह कई भिन्न-भिन्न समाजों के लिए प्रयुक्त एक सामान्य नाम है) ऑस्ट्रेलिया में 40,000 साल पहले आने शुरू हुए (संभवतः उससे भी पहले से)।

They came from New Guinea, which was connected to Australia by a land-bridge.

वे ऑस्ट्रेलिया के साथ एक भू-सेतु से जुड़े न्यू गिनी से आए थे।



In the natives' traditions, they did not come to Australia, but had always been there. The past centuries were called the 'Dreamtime' – something difficult for Europeans to understand, since the distinction between past and present is blurred.

मूल निवासियों की अपनी परंपराओं के हिसाब से वे ऑस्ट्रेलिया आए नहीं थे, बल्कि हमेशा से यहीं थे। बीती सदियां 'स्वप्नकाल' कही जाती थीं। इस कथन को समझना यूरोपीय लोगों के लिए मुश्किल था, क्योंकि इसमें अतीत और वर्तमान का अंतर धुँधला हो जाता था।



Australia is sparsely populated, and even now most of the towns are along the coast (where the British first arrived in 1770) because the central region is arid desert.

ऑस्ट्रेलिया की आबादी बहुत छितरायो हुई है, और आज भी वहां के ज़्यादातर शहर समुद्रतट के साथ-साथ बसे हैं (जहां 1770 में ब्रिटिश लोग पहली बार पहुँचे थे), क्योंकि बीच का इलाका शुष्क मरुभूमि है।

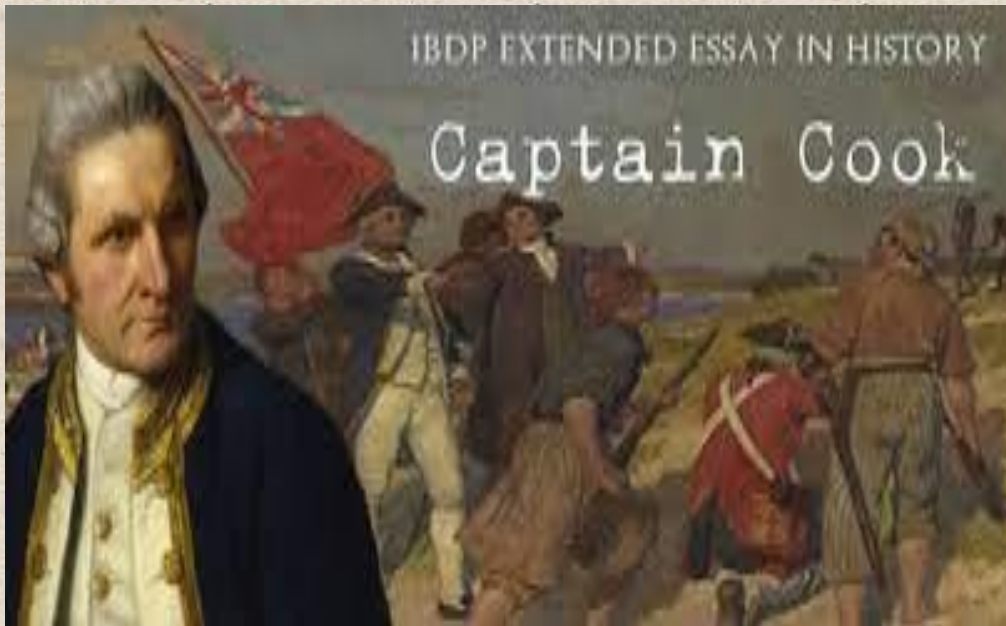
The story of the interaction between the European settlers, the native peoples and the land in Australia has many points of similarity to the story of the Americas, though it began nearly 300 years later.

ऑस्ट्रेलिया में यूरोपीय आबादकारों, मूल निवासियों और ज़मीन के बीच आपसी रिश्तों का किस्सा उत्तरी और दक्षिणी अमरीका के किस्से से कई बिंदुओं पर मिलता-जुलता है, हालांकि इसकी शुरुआत 300 साल बाद हुई।



Initial reports from Captain Cook and his crew about encounters with natives are enthusiastic about their friendliness.

मूल निवासियों के साथ हुई मुलाकात को लेकर कैप्टन कुक और उसके जत्थे के आरंभिक ब्यौरे मूल निवासियों के दोस्ताना व्यवहार के बारे में उत्साहपूर्ण हैं।



There was a sharp reversal of feeling on the part of the British when Cook was killed by a native – not in Australia, but in Hawaii.

लेकिन जब एक मूल निवासी ने कुक की हत्या कर दी – हवाई में, ऑस्ट्रेलिया में नहीं – तब ब्रिटिशों का रवैया पूरी तरह से उलट गया।



As often happened, a single incident of this nature was used by colonisers to justify subsequent acts of violence towards other people.

जैसा कि प्रायः होता आया है, इस तरह की एक घटना औपनिवेशिक ताकतों द्वारा बाद में दूसरों के खिलाफ किए गए हिंसक व्यवहार का औचित्य साबित करने के लिए इस्तेमाल की गई।

They did not foresee that in the nineteenth and twentieth centuries nearly 90 per cent of them would die by exposure to germs, by the loss of their lands and resources, and in battles against the settlers.

यूरोपीय लोगों के आगमन को सभी मूल बाशिंदों ने खतरे की तरह नहीं देखा। वह यह अनुमान नहीं लगा पाए कि 19वीं और 20वीं सदी के दरम्यान कीटाणुओं के असर से, अपनी ज़मीनें खोने के चलते और आबादकारों के साथ हुई लड़ाइयों में लगभग 90 फ़ीसदी मूल बाशिंदों को अपनी जान गँवानी पड़ेगी।





The experiment of settling Brazil with Portuguese convicts had been abandoned when their violent behaviour provoked angry reprisals from the natives.

ब्राज़ील में पुर्तगाली कैदियों को बसाने का प्रयोग तब जाकर बंद कर दिया गया, जब उनके हिंसक बरताव ने मूल निवासियों को प्रतिहिंसा पर उतारू कर दिया।

The British had adopted the same practice in the American colonies until they became independent. Then they continued it in Australia.

ब्रिटिशों ने स्वतंत्र होने तक अमरीकी उपनिवेशों में यही तरीका अपनाया, और फिर उसे ऑस्ट्रेलिया में भी जारी रखा।



Most of the early settlers were convicts who had been deported from England and, when their jail term ended, were allowed to live as free people in Australia on condition that they did not return to Britain.

ऑस्ट्रेलिया के ज़्यादातर शुरुआती आबादकार इंग्लैंड से निर्वासित होकर आए थे और उनके कारावास पूरा होने पर ब्रिटेन वापस न लौटने की शर्त पर उन्हें ऑस्ट्रेलिया में स्वतंत्र जीवन जीने की इजाज़त दे दी गई।





With no recourse but to make a life for themselves in this land so different from their own, they felt no hesitation about ejecting natives from land they took over for cultivation.

अपने क्षेत्र से इतने भिन्न इस इलाके में किसी भी तरह के सहारे के बगैर जीवनयापन करने के लिए उन्होंने खेती के लिए ली गई ज़मीन से मूल निवासियों को निकाल बाहर करने में कोई झिझक नहीं दिखलाई।

The economic development of Australia under European settlement was not as varied as in America. Vast sheep farms and mining stations were established over a long period and with much labour, followed by vineyards and wheat farming. These came to form the basis of the country's prosperity.



यूरोपीय बस्तियों के तहत ऑस्ट्रेलिया का आर्थिक विकास अमरीका जितना भिन्नतापूर्ण नहीं था। भेड़ों के विशाल फ़ार्म और खानें उसके पश्चात, मदिरा बनाने हेतु अंगूर के बाग़ और गेहूँ की खेती एक लंबी अवधि में और काफ़ी परिश्रम से विकसित हो पाई, इन्होंने ऑस्ट्रेलिया की संपन्नता की बुनियाद तैयार की।



When the states were united, and it was decided that a new capital would be built for Australia in 1911, one name suggested for it was **Woolwheatgold!** Ultimately, it was called **Canberra** (= **kamberra**, a native word meaning 'meeting place').

जब राज्यों को मिलाया गया और 1911 में ऑस्ट्रेलिया की एक राजधानी बनाने की योजना चल रही थी, तब उसके लिए 'वूलव्हीटगोल्ड' (**Woolwheat gold**) नाम का सुझाव दिया गया था! अंततः उसका नाम कैनबरा रखा गया जो एक स्थानीय शब्द कैमबरा (**Kamberra**) से बना है, जिसका अर्थ है, 'सभा-स्थल')।

Some natives were employed in farms, under conditions of work so harsh that it was little different from slavery. Later, Chinese immigrants provided cheap labour, as in California, but unease about being dependent on non-whites led to the governments in both countries to ban Chinese immigrants.

कुछ मूल निवासी ऐसे सख्त हालात में खेतों में काम करते थे कि उसका दासप्रथा से अंतर बहुत कम था। बाद में चीनी आप्रवासियों ने सस्ता श्रम मुहैया कराया, जैसा कि कैलिफ़ोर्निया में हुआ था। लेकिन गैर-गोरो पर बढ़ती हुई निर्भरता से जन्मी घबराहट के चलते दोनों देशों की सरकारों ने चीनी आप्रवासियों को प्रतिबंधित कर दिया।





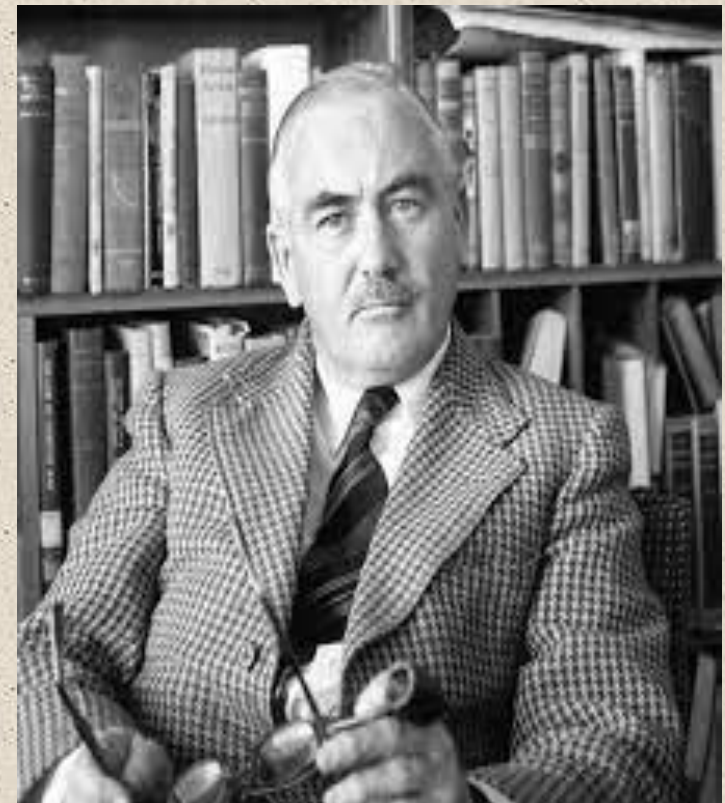
Till 1974, such was the popular fear that 'dark' people from South Asia or Southeast Asia might migrate to Australia in large numbers that there was a government policy to keep 'non-white' people out.

1974 तक लोगों के मन में यह भय घर कर गया था कि दक्षिण एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के 'गहरी रंगत वाले' लोग बड़ी तादाद में ऑस्ट्रेलिया आ सकते हैं, और इसीलिए 'गैर-गोरो' को बाहर रखने के लिए सरकार ने एक नीति अपनाई।

THE WINDS OF CHANGE... (बदलाव की लहर...)

In 1968, people were electrified by a lecture by the anthropologist W.E.H. Stanner, entitled 'The Great Australian Silence' – the silence of historians about the aborigines.

1968 में एक मानवशास्त्री डब्ल्यू.ई.एच.स्टैनर के एक व्याख्यान से लोगों में बिजली की तरंग-सी दौड गई। व्याख्यान का शीर्षक, दि ग्रेट ऑस्ट्रेलियन साइलेंस (महान ऑस्ट्रेलियाई चुप्पी) – इतिहासकारों की मूल निवासियों के बारे में चुप्पी थी।



William Edward Hanley Stanner

THEME 10TH

DISPLACING INDIGENOUS PEOPLES

मूल निवासीयों का वस्थापन

From the 1970s, as was happening in North America, there was an eagerness to understand natives not as anthropological curiosities but as communities with distinct cultures, unique ways of understanding nature and climate, with a sense of community which had vast bodies of stories, textile and painting and carving skills, which should be understood and



1970 के दशक से उत्तरी अमरीका की तरह ही यहां भी मूल निवासियों को एक नए रूप में समझने की चाहत जग चुकी थी। उन्हें मानवशास्त्रीय जिज्ञासाओं के रूप में नहीं, बल्कि विशिष्ट संस्कृतियों वाले समुदायों के रूप में, प्रकृति और जलवायु को समझने की विशिष्ट पद्धतियों के रूप में समझना था। उन्हें ऐसे समुदायों के रूप में समझना था, जिनके पास अपनी कथाओं और कपड़ासाज़ी – चित्रकारी – हस्तशिल्प के कौशल का विशाल भंडार था और वह भंडार सराहने, आदर तथा अभिलेखन के योग्य था।



Underlying it all was the urgent question which Henry Reynolds later articulated in a powerful book, Why Weren't We Told? This condemned the practice of writing Australian history as though it had begun with Captain Cook's 'discovery'.

इन सबकी तह में वह ज़रूरी सवाल था, जिसे आगे चल कर हेनरी रेनॉल्ड्स ने अपनी प्रभावशाली पुस्तक, व्हाइ वरेंट वी टोल्ड? (हमें बताया क्यों नहीं गया?), में सामने रखा। इस किताब में ऑस्ट्रेलियाई इतिहास लेखन के उस ढर्रे की भर्त्सना की गई थी, जिसमें कैप्टन कुक की 'खोज' से ही इतिहास की शुरुआत मानी जाती थी।



**Henry
Reynolds**

Since then, university departments have been instituted to study native cultures, galleries of native art have been added to art galleries, museums have been enlarged to incorporate dioramas and imaginatively designed rooms explaining native culture, and natives have begun writing their own life histories.

उसके बाद से मूल निवासियों की संस्कृतियों का अध्ययन करने के लिए विश्वविद्यालयों विभागों की स्थापना हुई है। कलादीर्घाओं (आर्ट गैलरीज़) में देसी कलाओं की दीर्घाएँ शामिल की गई हैं, देसी संस्कृति को समझानेवाले कल्पनाशील तरीके से सज्जित कमरों के लिए संग्रहालयों में जगह बनाई गई है, और मूल निवासियों ने अपने जीवन-इतिहासों को लिखना शुरू किया है।





This has been a wonderful effort. It has also occurred at a critical time, because if native cultures had remained ignored, by this time much of such cultures would have been forgotten.

यह सब एक अद्भुत प्रयास है। यह प्रयास समय रहते शुरू हो गया। अगर मूल निवासियों की संस्कृतियों की अनदेखी बदस्तूर जारी रहती, तो इस समय तक उसका काफी कुछ विस्मृति की गर्त में जा चुका होता।

From 1974, 'multiculturalism' has been official policy in Australia, which gave equal respect to native cultures and to the different cultures of the immigrants from Europe and Asia.

1974 से 'बहुसंस्कृतिवाद' ऑस्ट्रेलिया की राजकीय नीति रही है, जिसने मूल निवासियों की संस्कृतियों और यूरोप तथा एशिया के आप्रवासियों की भांति-भांति की संस्कृतियों को समान आदर दिया है।





From the 1970s, as the term 'human rights' began to be heard at meetings of the UNO and other international agencies, the Australian public realised with dismay that, in contrast to the USA, Canada and New Zealand, Australia had no treaties with the natives formalising the takeover of land by Europeans.

1970 के दशक से, जब संयुक्त राष्ट्र संघ और दूसरी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों की बैठकों में 'मानवाधिकार' शब्द सुनाई पड़ने लगा, ऑस्ट्रेलियाई जनता को यह अहसास हुआ कि संयुक्त राज्य अमरीका, कनाडा और न्यूज़ीलैंड के विपरीत ऑस्ट्रेलिया में यूरोपीय लोगों द्वारा किए गए भूमि-अधिग्रहण को औपचारिक बनाने के लिए मूल निवासियों के साथ कोई समझौता-पत्र तैयार नहीं किया गया है।

The government had always termed the land of Australia terra nullius, that is belonging to nobody.

सरकार हमेशा से ऑस्ट्रेलिया की ज़मीन को टेरा न्यूलिअस (**terra nullius**) कहती आई थी। इसका मतलब था, 'जो किसी की नहीं है।'



There was also a long and agonising history of children of mixed blood (native European) being forcibly captured and separated from their native relatives.

इसके अलावा, वहाँ अपने आदिवासी रिश्तेदारों से छीने गए मिश्रित रक्तवाले (मूल निवासी-यूरोपीय) बच्चों का एक लंबा और यंत्रणापूर्ण इतिहास भी था।



Agitation around these questions led to enquiries and to two important decisions: one, to recognise that the natives had strong historic bonds with the land which was 'sacred' to them, and which should be respected.

इन सवालों पर खड़े हुए आंदोलन के कारण तहकीकातें शुरू हुईं और दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए – एक, इस बात को मान्यता देना कि मूल निवासियों का ज़मीन के साथ, जो कि उनके लिए 'पवित्र' है, मज़बूत ऐतिहासिक संबंध रहा है और इसका आदर किया जाना चाहिए

Two, that while past acts could not be undone, there should be a public apology for the injustice done to children in an attempt to keep 'white' and 'coloured' people apart.

दो, पिछली गलतियों को धोया तो नहीं जा सकता, लेकिन 'गोरो' और 'रंगबिरंगे लोगों' को अलग-अलग रखने की कोशिश करके बच्चों के साथ जो अन्याय किया गया है, उसके लिए सार्वजनिक रूप से माफ़ी माँगी जानी चाहिए।





**Thank You
So Much!**